

Unit = II TEACHING LEARNING MATERIALS

a). Audio Materials, Visual And Audio Visual Materials

b). Project And Non Project Materials

c). Computer, E-mail, Internet.

Asha Kumari Gupta

अर्थ एवं परिभाषा (Meaning And Definition)

पाठ को रीचक एवं सुबोध बनाने के लिए यह आवश्यक है छात्रों को शिक्षा का सम्बन्ध उनकी अधिकाधिक ज्ञानेन्द्रियों के साथ हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आजकल शिक्षण में सहायक सामग्री प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जा रहा है। इससे सैद्धान्तिक, मौखिक एवं चीरस पाठों को सहायक उपकरणों प्रयोग से अधिक स्वाभाविक, मनोरंजक तथा उपयोगी बनाया जा सकता है। वास्तव में यह सच है कि सहायक सामग्री का उद्देश्य प्रवण एवं वृद्धि की ज्ञानेन्द्रियों को सक्रिय बनाकर ज्ञान ग्रहण करने के मार्ग खोल देता है।

अतः सहायक सामग्री का प्रयोग अध्यापक के लिए वांछनीय ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है।

परिभाषा :-

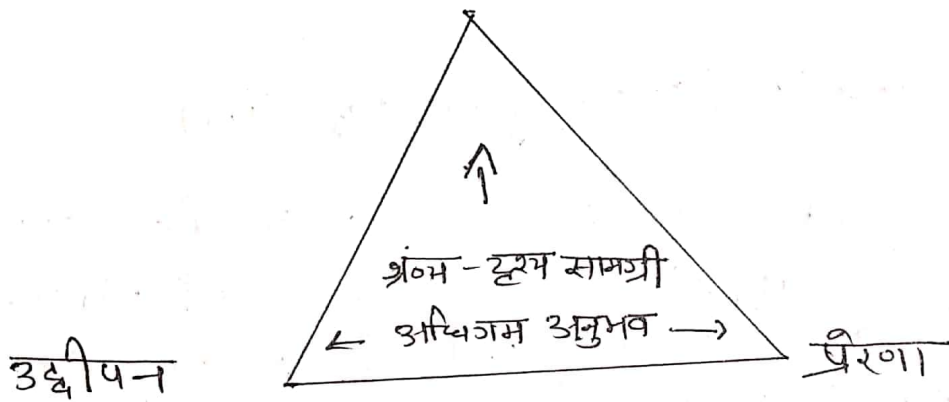
डैण्ट के अनुसार - "श्रव्य-दृश्य सामग्री वह सामग्री है जो कक्षा में या अन्य शिक्षण परिस्थितियों में लिखित या वीडियो ग्राफी पाठ्य-सामग्री के समझने में सहायक प्रदान करती है।"

कार्टर एवं गुड - "कई भी ऐसी सामग्री जिसके माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को उद्दीपित किया जा सके तथा ज्ञानेन्द्रिय संवेदनाओं के द्वारा ज्ञान सहायक जा सके - श्रव्य दृश्य सामग्री कहलाती है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि श्रव्य-दृश्य सामग्री वह सामग्री, उपकरण तथा युक्तियाँ हैं जिनका प्रयोग करने से विभिन्न शिक्षण परिस्थितियों में छात्रों और समूह के मध्य प्रभाषाशाली ढंग से ज्ञान का संचार होता है।

इस चित्र से और अधिक स्पष्ट हो जाता है।

02.



वास्तव में, "अभ्य-दृश्य सामग्री वह अधिगम अनुभव है जो शिक्षण प्रक्रिया को उद्दीपित करते हैं, छात्रों को नवीन ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं तथा शिक्षण सामग्री को अधिक स्पष्ट करते हैं, जिससे छात्रों के लिए सरल, सहज तथा बौध्दगम्य बनते हैं।" (कुलश्रेष्ठ, 1944)

Asha Kumari Gupta